भारत सरकार **राज्य सभा**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न संख्या 2191**

दिनांक 25 अप्रैल, 2012 को उत्तर दिए जाने के लिए

असम में बंद किए गए चाय बागान

2191. **श्री मोतीलाल वोराः** क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) असम में कुल कितनी निजी कम्पनियों ने चाय बागानों को अब तक बंद किया है और तत्संबंधी कारण क्या है;

(ख) असम के कछार जिले के चाय–बागानों में कितनी मात्रा में चाय का उत्पादन होता था;

(ग) क्या इन निजी कम्पनियों द्वारा चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी से कम मजदूरी दी जाती रही है; और

(घ) चाय बागानों में कुल कितने मजदूर बेरोजगार हुए है और उनके लिए रोजगार उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाए गये है ?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ज्योतिरादित्य मा0 सिंधिया)

(क) असम के कछार घाटी में निजी कम्पनियों के स्वामित्व वाले दो चाय बागानों को बंद कर दिया गया था । तथापि, इन बागानों को फिर से खोल दिया गया है । वर्ष 1999 के मध्य तक की कीमत की निराशाजनक स्थिति के साथ-साथ उच्च उत्पादन लागत, घरेलू माँग में धीमी वृद्धि और निर्यात में गिरावट जैसे कारकों के कारण चाय बागानों की व्यवहार्यता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है जिसके परिणामस्वरूप चाय बागानों को बंद/परित्यक्त करना पड़ता है ।

(ख) वर्ष 2010 और 2011 के दौरान कछार जिले के चाय बागानों में उत्पादित चाय की मात्रा निम्नानुसार हैः-

(आंकड़े हजार किग्रा. में)

वर्ष	2011	2010
उत्पादन (अनुमानित)	48,073	51,550

(ग) न्यूनतम मजदूरी दर संबंधित राज्य सरकार के श्रम विभाग द्वारा सुनिश्चित किया जाता है ।

(घ) कछार घाटी के चाय बागानों के बंद होने से कुल 2099 मजदूर बेरोजगार हुए । बागानों को पुनः खोल दिया गया है ।